3. रेडिएशनथेरापी : सर्जरी से पहले या सर्जरी के बाद रेडिएशन दिया जा सकता है। रेडिएशनथेरापी में भारी ऊर्जायुक्त एक्स-रे का उपयोग कर कैंसर के कोष को खत्म किया जाता है। रेडिएशनथेरापी का प्रमाण और कितनी बार देना है, उसका आधार निम्न बातों पर निर्भर है :

- आपकी गाँठ का कद
- आपकी सर्जरी का प्रकार
- आपकी पैथोलॉजी रिपोर्ट
- आपकी आयु व सामान्य स्वास्थ्य

4. हॉर्मोनथेरापी : यह पद्धतिपूर्ण प्रशिक्षण का एक स्वरूप है। यह अधिकांशतः सर्जरी के बाद कैंसर पुनः होने के जोखिम को घटाने के लिए एडज्युवेंट (संलग्न या अतिरिक्त) थेरापी के रूप में की जाती है, परंतु इसका उपयोग नियो एडज्युवेंट (असंलग्न) थेरापी के रूप में भी हो सकता है। उपचार हो जाने के बाद पुनः होने वाले कैंसर के लिए या फैले हुयें कैंसर के इलाज के लिए भी इसका उपयोग होता है।

5. टारगेटेडथेरापी : विशेषज्ञों को कोष में कैंसर पैदा करने वाले जिन आधारित फेरबदलों के बारे में जैसे-जैसे अधिक जानकारी मिलती गई, वैसे-वैसे वे नई दवाइयाँ विकसित करने में सफल हो रहे हैं, जो इन फेरबदलों को लक्ष्य बनाते हैं। ये टार्गेटेड दवाइयाँ स्टैण्डर्ड कीमोथेरापी (कीमो) दवाइयों की अपेक्षा अलग तरह से काम करती हैं।

स्तन कैंसर के बारे में कुछ तथ्यः स्तन कैंसर महिलाओं में होने वाले कैंसर का सबसे सामान्य स्वरूप है। प्रतिवर्ष अधिकाधिक महिलाओं में स्तन कैंसर का निदान होता है और लगभग प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक व्यक्ति को जानता है, जिसे स्तन कैंसर का इलाज दिया गया हो। महिलाओं में स्तन कैंसर के तीन चौथाई मामलों में महिलाओं की आयु 50 वर्ष या अधिक होती है, परंतु युवा महिलाओं में भी यह पाया जाता है।

अधिकांश महिलाओं में स्तन कैंसर का निदान हो रहा है, परंतु इसके लिए जिम्मेदार तमाम कारणों के बारे में कोई नहीं जानता। प्रारंभिक चरण में स्तन कैंसर का निदान करने के अधिक बेहतर रास्ते खोजे जाने से यह संख्या बढ़ी होने की संभावना है। बच्चे के जन्म के बाद हमारी जीवनशैली, रिप्लेसमेंट अंतःस्राव लेना और मुँह से गर्भनिरोधक दवाइयाँ लेना। अतिरिक्त चरबीयुक्त भोजन, अधिक अल्कोहल का सेवन आदि फेरबदल भी स्तन कैंसर में वृद्धि का कारण हो सकते हैं। स्तन कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं। फिर भी चिकित्सकीय व सर्जिकल शोधों के कारण मृत्यु की दर घट रही है।

अच्छी खबर ये है कि शुरुआत में जब गाँठ छोटी हो और स्तन तक सीमित हो, तभी स्तन कैंसर का समय रहते निदान हो सकता है। हाल में नए निदान किए गए स्तन कैंसर के दो तिहाई मामलों में कैंसर स्तन के बाहर फैलें होने के कोई संकेत दिखाई नहीं दिए हैं।

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

Joint Commission International | NABH | NABL Certificate No. MC-3049

सीम्स अस्पताल

रजी. ओफिस : प्लोट नं. **67/1**, पंचामृत बंगलो के सामने,
शुकन मोल के पास, सायन्स सीटी रोड, सोला, अहमदाबाद - **380060.**

फोन : **+91-79-2771 2771-75** फेक्स : **+91-79-2771 2770**

अपोइन्टमेन्ट के लिये फोन : +91-79-2772 1257
मोबाईल : +91 99792 75555 ईमेल : cims.cancer@cimshospital.org

24 X 7 मेडीकल हेल्पलाईन +91-70 69 00 00 00

सीम्स अस्पतालकी अेप्लीकेशन उपलब्ध है।

ANDROID APP ON Google play | Download on the App Store

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.org | www.cims.org

एम्बयुलन्स और आपातकालीन सेवायें : **+91-98244 50000, 97234 50000**

सीम्स स्तन कैंसर

CIMS®
CARE INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
Earning Trust with World-Class Practices

Joint Commission International | NABH | NABL Certificate No. MC-3049

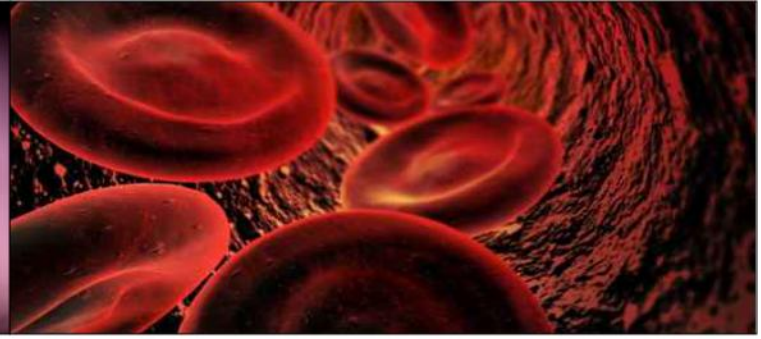

स्तन कैंसर क्या है?

कैंसर ऐसी बीमारी है, जिसमें शरीर के कोष निरंकुश बन कर वृद्धि करते हैं।

स्तन में जब कैंसर की शुरुआत हो, तब उसे स्तन कैंसर कहते हैं।

निम्न दर्शाए तत्वों से स्तन कैंसर का जोखिम बढ़ जाता है।

- प्रजननोत्पत्ति जोखिम के परिबल
- आपको प्रथम मासिक स्राव हुआ हो, तब छोटी उम्र का होना
- कभी बच्चे को जन्म नहीं देना या अपने प्रथम बच्चे के जन्म के वक्त बड़ी उम्र का होना
- मेनोपोज देरी से शुरू होना।
- लम्बे समय तक हॉर्मोन (अंतःस्राव) बदलने की थेरापी लेना।

लक्षण

स्तन कैंसर की चेतावनी देने वाले कुछ लक्षण निम्नानुसार हैं :

- स्तन में गाँठ होना या पीड़ा होना
- स्तन का कोई हिस्सा मोटा लगना या सूजन आना
- स्तन की त्वचा पर जलन या फुंसी होना
- स्तन की त्वचा लाल हो जना
- निप्पल खिंच जाना या निप्पल के आसपास की जगह में पीड़ा होना
- निप्पल से दूध के अलावा कोई प्रवाही, खासकर खून निकलना
- स्तन के आकार या कद में फेरबदल होना

अन्य जोखिमकारी परिबल

- पूर्व में स्तन कैंसर, गाढ़े स्तन या स्तन से जुड़ी अन्य कोई तकलीफ होना
- परिवार में स्तन कैंसर की पृष्ठभूमि हो (माता-पिता, भाई-बहन या बच्चे)
- स्थूलकाय होना, विशेषकर मेनोपोज के बाद

स्तन कैंसर की जानकारी कैसे होती है?

स्तन की स्वयं जाँच (बीएसई) करना ही स्तन कैंसर की जानकारी पाने का सबसे सामान्य रास्ता है। यह आकलन का सबसे सरल व प्राथमिक रास्ता है। स्तन कैंसर की जाँच यानी महिला को कैंसर के लक्षण के लक्षण देखने को मिले, उससे पहले कैंसर है या नहीं, उसकी जाँच करना।

स्तन का चिकित्सकीय परीक्षण : डॉक्टर गाँठ को स्पर्श करके तथा उसके आसपास की पेशियों के परीक्षण से बहुत कुछ बता सकते हैं। प्रारंभिक गाँठ का कई बार कैंसर की गाँठ से अलग अनुभव होता है।

डॉक्टर ऐसी गाँठ के कद व गठन की जाँच करके यह तय करते हैं कि वह गाँठ आसानी से हलन-चलन करती है या नहीं। 20 वर्ष की आयु की शुरुआत से दस वर्ष में एक बार प्रशिक्षित चिकित्सा विशेषज्ञ को स्वास्थ्य के वार्षिक परीक्षण के अंतर्गत स्तन की चिकित्सकीय जाँच करनी चाहिए।

मेमोग्राफी - मेमोग्राम स्तन की सुरक्षित व कम डोज वाली एक्स-रे तसवीर है। मेमोग्राम जाँच स्तन कैंसर का जल्दी निदान करने का त्वरित व आसान रास्ता है, जिस समय उपचार अधिक प्रभावी होता है और बच जाने की दर ऊँची होती है। सामान्यतः प्रत्येक स्तन के लिए एक्स-रे तसवीर ली जाती है।

अल्ट्रासोनोग्राफी - अल्ट्रासोनोग्राफी में उच्च आवृत्ति (हाई-फ्रिक्वेंसी) की ध्वनि तरंगों (साउण्ड वेव्ज) का उपयोग करके कई बार जाना जा सकता है कि गाँठ प्रवाही से भरी थैली (कैंसर नहीं) है या फिर घन गाँठ (जो कैंसर हो या न भी हो) है। मेमोग्राफी के साथ यह परीक्षण किया जा सकता है।इस परीक्षण के आधार पर डॉक्टर तय करेंगे कि अधिक परीक्षण व उपचार करने की जरूरत है की नहीं है।

स्तन कैंसर का उपचार

आपके कैंसर के चरण तथा प्रकार के आधार पर आपके उपचार में निम्न में से एक या अधिक का समावेश हो सकता है। रेडिएशन के साथ या बिना सर्जरी, कीमोथेरापी, कैंसर की अन्य दवाइयाँ और/अथवा रिकन्स्ट्रक्टिव (पुनःरचनात्मक) सर्जरी।

1. सर्जरी

लम्पेक्टॉमी : लम्पेक्टॉमी के दौरान सर्जन गाँठ के आसपास की कुछ सामान्य पेशियों सहित कैंसर को दूर करते हैं।

मास्केक्टॉमी : मास्केक्टॉमी में स्तन को सर्जरी द्वारा हटाया जाता है। अधिकांशतः मास्केक्टॉमी की सलाह तब दी जाती है, जब :

- आपके स्तन में एक से अधिक जगह कैंसर हो
- आपका स्तन कद में छोटा हो या ऐसा आकार हो, जिसमें कैंसर को दूर करने के बाद स्तन की बहुत कम पेशियाँ रह जाती हों।

लिम्फनोड दूर करना : सेंटिनल लिम्फनोड्स (रसावाहक गट्ठे) प्रथम लिम्फनोड्स (रसीवाहक गट्ठे) हैं, जिसमें कैंसर फैलने की संभावना रहती है।

सेंटिनल नोड्स में कैंसर के कोई कोष न पाए जाएँ, तो संभव है कि अन्य एक्सिलरी नोड्स (बगल के गट्ठे) कैंसरमुक्त हों और गट्ठे को कोई अतिरिक्त उपचार की जरूरत न पड़े। सेंटिनल नोड्स में कैंसर के कोष पाए जाएँ, तो आपकी परिस्थितियों के आधार पर सर्जन बगल से अधिक लिम्फनोड्स (रसीवाहक गट्ठे) दूर कर सकते हैं। शेष रही बीमारी को नियंत्रित करने के लिए शेष गट्ठे का कीमोथेरापी, रेडिएशन या हॉर्मोनल (अंतःस्राव) की थेरापी से उपचार किया जा सकता है।

2. कीमोथेरापी : यह समग्र शरीर में कैंसर के कोष को नष्ट करने के लिए दवाई का उपयोग करती है। यह मात्र स्तन के कोष नहीं, बल्कि शरीर के तमाम कोष को प्रभावित करती है।

कीमोथेरापी सर्जरी से पहले या बाद में दी जा सकती है। अधिकांश कीमोथेरापी नस में दी जाती है। यह उपचार सामान्यतः आउट पेशेंट क्लिनिक की तरह या कैंसर सेंटर में दिया जाता है।

आपके डॉक्टर आपके कैंसर के प्रकार तथा चरण की जानकारी का उपयोग करके आपके लिए निर्णय करेगा कि कौन सी कीमोथेरापी की दवाई योग्य है।